अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत किसान-वैज्ञानिक संगोष्ठी में निशुल्क खाद बीज वितरण

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, प्रादेषिक अनुसंधान स्थात्र, बीकानेर पर अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत दिनांक 06.11.2019 को गांव बीठनोक के 33 किसानों तथा दिनांक

07.11.2019 को गांव सालासर व कोलासर के 30 किसानों एवम् दिनांक 08.11.2019 को गांव नाईयों की बस्ती व मेघासर के 32 किसानों के लिए किसान - वैज्ञानिक संगोष्ठीयों का आयोजन किया गया। संगोष्ठीयों का विषय शुष्क क्षेत्रों में रबी में कृषि उत्पादकता वृद्धि की नवीनतम तकनीकियों पर चर्चा की गई। किसान-वैज्ञानिक संगोष्ठीयों कार्यक्रम के अंत में प्रत्यके किसान को उच्च किस्मों के गेहूं, सरसों व ईसबगोल का बीज एवम् उर्वरक दिया गया इसके अन्तर्गत 25 किसानों को 4-4 किलो० सरसों का बीज दिया गया व 20 किसानों को 4-4 किलो० इसबगोल का बीज दिया गया तथा 50 किसानों को 40 किलो० गेहूं का बीज दिया एवम् सभी 95 किसानों को 2 बैग युरिया एवम् 2 बैग एस.एस.पी. दिये गये।

इस कार्यक्रम में प्रादेषिक अनुसंधान स्थात्र के अध्यक्ष डॉ. एन.डी. यादव ने शुष्क खेती की

उन्नत तकनीकी से खेती करने के बारे में किसानों को अवगत कराया और इस अनुसूचित जाति उप योजना में अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए अनुग्रह किया। इस किसान - वैज्ञानिक संगोष्ठी के समन्वंयक डॉ.जी.एल.बागड़ी ने अनुसूचित जाति उप योजना के बारे में किसानों को अवगत कराया कि यह योजना अनुसूचित जाति के किसानों के हेतु केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही है। जिसके अन्तर्गत अनुसूचित जाति के किसानों का चयन करके प्रषिक्षण एवम् खाद बीज का निशुल्क वितरण किया जायेगा। संस्थान के अन्य वैज्ञानिकों डॉ. एम. एल. सोनी, डॉ. बीरबल, डॉ. एन.एस. नाथावत एवम् सुब्बूलक्ष्मी ने भी किसानों को फसलों व बॉगवानी आदि की उन्नत तकनीकी की जानकारी दी।